



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1167]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 4, 2015/ ज्येष्ठ 14, 1937

No. 1167]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 4, 2015/JYAISTHA 14, 1937

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जून, 2015

सं. 8/2015-2020

का.आ. 1468(अ).—विदेश व्यापार नीति, 2015-2020 के पैरा 1.02 के साथ पठित समय-समय पर यथासंशोधित विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 की सं० 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा, विदेश व्यापार नीति, 2015-2020 में निम्नलिखित संशोधन करती है। यह संशोधन 1 अप्रैल, 2015 से लागू माना जाएगा।

1. पैरा 2.06 में संशोधन

संशोधित पैरा 2.06 को निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

2.06 भारत से/में माल के निर्यात/ आयात हेतु अनिवार्य दस्तावेज

(क) भारत से/में माल के निर्यात/ आयात हेतु अनिवार्य दस्तावेज

1. लदान का बिल/हवाई मार्ग का बिल/लॉरी रसीद/रेल रसीद/डाक रसीद
2. वाणिज्यिक बीजक एवं पैकिंग सूची*
3. लदान बिल/निर्यात बिल

(ख) भारत से/में माल के निर्यात/ आयात हेतु अनिवार्य दस्तावेज

1. लदान का बिल/हवाई मार्ग का बिल/लॉरी रसीद/रेल रसीद/डाक रसीद
2. वाणिज्यिक बीजक एवं पैकिंग सूची*
3. प्रविष्टि बिल

[टिप्पणी: * (i) सीबीईसी परिपत्र सं. 01/15—सीमाशुल्क विभाग दिनांक 12/01/2015 के अनुसार (ii) पृथक वाणिज्यिक बीजक तथा पैकिंग सूची भी स्वीकार्य होगी।]

- (ग) ऐसी विशिष्ट वस्तुओं अथवा वस्तुओं की श्रेणी का निर्यात अथवा आयात जो किसी प्रतिबंध/नीति शर्त के अधीन हैं अथवा जिनके लिए किसी अधिनियम के तहत अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना अथवा उत्पाद विशिष्ट अनुपालन करना अपेक्षित है उनके लिए निर्यात अथवा आयात के प्रयोजन हेतु संबंधित विनियामक प्राधिकारी अतिरिक्त दस्तावेजों को अधिसूचित कर सकता है।
- (घ) निर्यात अथवा आयात के विशिष्ट मामलों में संबंधित विनियामक प्राधिकारी कानूनी रूप से अनुपालन करने को सुनिश्चित करने हेतु यथा आवश्यक इलेक्ट्रॉनिक रूप से अथवा लिखित रूप से अतिरिक्त दस्तावेजों अथवा सूचना मांग सकता है।
- (ङ.) उपर्युक्त शर्तें 1 अप्रैल 2015 से लागू होंगी।

2. पैरा 2.11 में संशोधन

संशोधित पैरा 2.11 को निम्नानुसार पढ़ा जाएगा।

2.11 प्राधिकार पत्र हेतु नियम एवं शर्तें

प्रत्येक प्राधिकार पत्र में अन्य बातों के साथ-साथ ऐसी अन्य शर्तों जो विनिर्दिष्ट हो के अलावा निम्नलिखित नियम एवं शर्तें (जो लागू हों) शामिल हैं:

- (क) माल का वर्णन, मात्रा और मूल्य
- (ख) वास्तविक प्रयोक्ता शर्त (अध्याय 9 में यथा परिभाषित)
- (ग) निर्यात दायित्व
- (घ) प्राप्त की जाने वाली न्यूनतम मूल्य वृद्धि
- (ङ.) न्यूनतम निर्यात/आयात मूल्य
- (च) बैंक गारंटी/कानूनी शपथ पत्र/सीमाशुल्क प्राधिकारी/क्षेत्रीय प्राधिकारी के साथ किया अनुबंध (जैसा कि विदेश व्यापार नीति के पैरा 2.35 में दिया गया है)
- (छ) प्रक्रिया पुस्तक में यथा विनिर्दिष्ट आयात/निर्यात की वैधता अवधि

3. पैरा 2.46 {11 (घ)} में संशोधन

संशोधित पैरा 2.46 {11 (घ)} को निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

2.46 निर्यात हेतु आयात

II. (घ) इस व्यवस्था के अंतर्गत किया जाने वाला निर्यात जैसा कि उपरोक्त II (क) (ख) और (ग) में दिया गया है, किसी निर्यात प्रोत्साहनों हेतु पात्र नहीं होगा।

4. पैरा 3.02 में संशोधन

संशोधित पैरा 3.02 को निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

3.02 प्रतिफल की प्रकृति

ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप्टों को एमईआईएस और एसईआईएस के अंतर्गत प्रतिफल के रूप में प्रदान किया जाएगा। ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप्ट तथा इनके लिए आयातित/घरेलू रूप से अधिप्राप्त किया गया माल मुक्त रूप से अंतरणीय होगा। ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप्टों को निम्नलिखित के लिए प्रयोग किया जा सकता है:

- (i) परिशिष्ट 3क में सूचीबद्ध मदों को छोड़कर राजस्व विभाग की अधिसूचना के अनुसार पूंजीगत माल सहित निविष्टियों अथवा माल के आयात हेतु सीमाशुल्क के भुगतान के लिए।
- (ii) राजस्व विभाग की अधिसूचना के अनुसार पूंजीगत माल सहित निविष्टियों अथवा माल के घरेलू प्रापण पर उत्पाद-शुल्क की अदायगी।
- (iii) राजस्व विभाग की अधिसूचना के अनुसार सेवाओं की प्राप्ति पर सेवा कर की अदायगी।
- (iv) इस नीति के पैराग्राफ 3.18 के अनुसार सीमाशुल्क और शुल्क की अदायगी।

5. पैराग्राफ 3.06 में संशोधन

संशोधित पैराग्राफ को निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

3.06 एमईआईएस के तहत अपात्र श्रेणियां

निम्नलिखित निर्यात श्रेणियां/क्षेत्र एमईआईएस के तहत ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप्ट हकदारी का पात्र नहीं होंगी।

- (i) ईओयू/ईएचटीपी/बीटीपी/एसटीपी जो कि प्रत्यक्ष कर लाभ/छूट ले रही हैं।
- (ii) डीटीए यूनिटों से एसईजैड यूनिटों को की गई आपूर्तियां
- (iii) एफटीपी के पैराग्राफ 2.46 के तहत आयातित माल का निर्यात
- (iv) अतः पोतलदान के माध्यम से निर्यात जिसका तात्पर्य है निर्यात जिनका उद्गम तीसरे देश में हो रहा है परंतु भारत में से भेजे जा रहे हैं।
- (v) मान्य निर्यात
- (vi) डीटीए यूनिटों के माध्यम से निर्यात किए गए एसईजैड/ईओयू/ईएचटीपी/बीटीपी/एफटीडब्ल्यूजैड उत्पाद
- (vii) मदें जो कि आईटीसी (एचएस) में निर्यात नीति की अनुसूची-2 के तहत प्रतिबंधित हैं, जब तक परिशिष्ट 3ख में विशिष्ट रूप से अधिसूचित न किया जाए।
- (viii) सेवा निर्यात
- (ix) रैड सैंडर्स और बीच सैंड
- (x) निर्यात उत्पाद जो कि न्यूनतम निर्यात मूल्य अथवा निर्यात शुल्क के अधीन हैं।
- (xi) प्लेन और स्टडिड आभूषण और अन्य कीमती और अर्द्ध कीमती स्टोन्स सहित किसी भी रूप में हीरे, सोना, चांदी, प्लेटिनम, अन्य कीमती धातु।
- (xii) सभी प्रकार के और सभी रूपों में अयस्क और सांद्रण
- (xiii) सभी प्रकार के अनाज
- (xiv) सभी प्रकार की और सभी रूपों में शर्करा, जबतक कि परिशिष्ट 3ख में विशिष्ट रूप से अधिसूचित न किया जाए।
- (xv) सभी प्रकार के और सभी रूपों में कच्चा/पेट्रोलियम तेल और कच्चा/प्राथमिक और मूल उत्पाद
- (xvi) दूध और दुग्ध उत्पादों का निर्यात जब तक कि परिशिष्ट 3ख में विशिष्ट रूप से अधिसूचित न किया जाए।
- (xvii) मांस और मांस उत्पाद जबतक कि परिशिष्ट 3ख में विशिष्ट रूप से अधिसूचित न किया जाए।
- (xviii) उत्पाद जिसमें कीमती धातु/हीरे प्रयुक्त होते हैं अथवा वस्तुएं जिनमें कीमती स्टोन्स स्टडिड होते हैं।
- (xix) एफटीडब्ल्यूजैड में यूनिटों द्वारा किया गया निर्यात
- (xx) मदें, जोकि आईटीसी (एचएस) में निर्यात नीति की अनुसूची-2 के तहत निर्यात के लिए प्रतिबंधित है।

6. पैराग्राफ 3.09 (2) (ड.) में संशोधन

संशोधित पैराग्राफ 3.09 (2) (ड.) को निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

3.09 एसईआईएस के तहत अपात्र श्रेणियां

(2) (ड.) ईओयू/ईएचटीपी/एसटीपीआई/बीटीपी स्कीमों अथवा ऐसी यूनिटों को की जाने वाली सेवाओं की आपूर्ति के तहत प्रचालित यूनिटों की सेवाओं से संबंधित निर्यात टर्नओवर

7. पैराग्राफ 4.22 में संशोधन

संशोधित पैराग्राफ 4.22 को निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

4.22 निर्यात दायित्व

- (i) अग्रिम प्राधिकार-पत्र के तहत निर्यात दायित्व की पूर्ति की अवधि प्राधिकार-पत्र जारी होने की तिथि से 18 महीने अथवा डीजीएफटी द्वारा यथा अधिसूचित होगी।
- (ii) मान्य निर्यात श्रेणी अथवा विदेशों में टर्नकी परियोजना के तहत भारत में टर्नकी परियोजनाओं को आपूर्तियों के मामले में, निर्यात दायित्व अवधि परियोजना क्रियान्वयन की संविदा अवधि के साथ सह-मियादी अथवा 18 महीने होगी, जो भी अधिक हो।

- (iii) रक्षा, सैन्य स्टोर, एयरोस्पेस और आणविक ऊर्जा की श्रेणियों में आने वाली मदों के लिए निर्यात दायित्व प्राधिकार-पत्र जारी होने की तिथि से 24 माह अथवा निर्यात आदेश की संविदा अवधि के साथ सह-मियादी होगी, जो भी अधिक है।
- (iv) परिशिष्ट 4-अ में यथा विनिर्दिष्ट, निविष्टियों के लिए निर्यात दायित्व अवधि उपरोक्त परिशिष्ट के संबंधित कॉलम में यथा उल्लिखित होगी।

8. पैराग्राफ 4.26 में संशोधन

संशोधित पैराग्राफ 4.26 को निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

4.26 छूट प्राप्त शुल्क और सैनवैट और शुल्क वापसी की स्वीकार्यता

- (i) शुल्क मुक्त आयात प्राधिकार-पत्र को केवल मूल सीमा-शुल्क की अदायगी से छूट प्राप्त होगी।
- (ii) अतिरिक्त सीमा-शुल्क/उत्पाद-शुल्क जिन्हें छूट प्राप्त नहीं है, राजस्व विभाग की नियमावली के अनुसार सैनवैट क्रेडिट के रूप में समायोजित किया जाएगा।
- (iii) शुल्क वापसी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क प्राधिकरण द्वारा निर्धारित की गई दर के अनुसार शुल्क प्रदत्त की गई निविष्टियों के लिए उपलब्ध होगी, निर्यात उत्पाद में प्रयुक्त वे निविष्टियाँ चाहे आयातित हों अथवा स्वदेशी। तथापि, सिसोन में अविनिर्दिष्ट निविष्टियों के लिए यदि शुल्क-वापसी का दावा किया गया है तो आवेदक को शुल्क मुक्त आयात प्राधिकार-पत्र के लिए आवेदन-पत्र में शुल्क प्रदत्त ऐसी निविष्टियों के विवरणों को स्पष्टतया दर्शाना चाहिए और आवेदन-पत्र में उल्लिखित विवरणों के अनुसार, क्षेत्रीय प्राधिकारी को शुल्क मुक्त आयात प्राधिकार-पत्र के शर्त पत्र में, शुल्क प्रदत्त ऐसी निविष्टियों के विवरणों को स्पष्टतया दर्शाना चाहिए।

9. पैराग्राफ 9.51 में संशोधन

संशोधित पैराग्राफ 9.51 को निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

"सेवा प्रदायक" से तात्पर्य है एक व्यक्ति जो निम्नलिखित उपलब्ध करवाता है:

- (i) भारत से किसी अन्य देश को 'सेवा' की आपूर्ति; (तरीका 1 सीमापार व्यापार)
- (ii) भारत में किसी अन्य देश के सेवा उपभोक्ता (उपभोक्ताओं) को 'सेवा' की आपूर्ति (तरीका-2 विदेश में खपत)
- (iii) किसी अन्य देश में वाणिज्यिक उपस्थिति के माध्यम से भारत से 'सेवा' की आपूर्ति (तरीका-3-वाणिज्यिक उपस्थिति)
- (iv) किसी अन्य देश में सामान्य व्यक्तियों की उपस्थिति के माध्यम से भारत से 'सेवा' की आपूर्ति (तरीका 4-सामान्य व्यक्तियों की उपस्थिति)

इस अधिसूचना का प्रभाव: 1.4.2015 को जारी की गई विदेश व्यापार नीति 2015-2020 में कुछ संशोधन किए गए हैं। ये संशोधन 1 अप्रैल 2015 से प्रभावी होंगे।

[फा. सं. 01/94/180/332/एएम 15/पीसी-4]

प्रवीर कुमार, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

NOTIFICATION

New Delhi, 4th June, 2015

No. 08 /2015-2020

S.O. 1468(E).—In exercise of powers conferred by Section 5 of the Foreign Trade (Development & Regulation) Act, 1992 (No.22 of 1992), as amended from time to time, read with paragraph 1.02 of Foreign Trade Policy 2015-2020, the Central Government hereby make the following amendments in the Foreign Trade Policy 2015-20. These amendments shall be deemed to have come into force with effect from 1st April 2015.

1. Amendment in Paragraph 2.06

Amended Paragraph 2.06 shall read as under:

2.06 Mandatory documents for export/import of goods from/into India

(a) Mandatory documents required for export of goods from India:

1. Bill of Lading/Airway Bill/**Lorry Receipt / Railway Receipt/Postal Receipt.**
2. Commercial Invoice cum Packing List*
3. Shipping Bill/Bill of Export

(b) Mandatory documents required for import of goods into India

1. Bill of Lading/Airway Bill/ **Lorry Receipt/Railway Receipt/ Postal Receipt.**
2. Commercial Invoice cum Packing List*
3. Bill of Entry

[**Note:*** (i) As per CBEC Circular No. 01/15-Customs dated 12/01/2015. (ii) Separate Commercial Invoice and Packing List would also be accepted.]

(c) For export or import of specific goods or category of goods, which are subject to any restrictions/ policy conditions or require NOC or product specific compliances under any statute, the regulatory authority concerned may notify additional documents for purposes of export or import.

(d) In specific cases of export or import, the regulatory authority concerned may electronically or in writing seek additional documents or information, as deemed necessary to ensure legal compliance.

(e) The above stipulations are effective from 1st April, 2015.

2. **Amendment in Paragraph 2.11**

Amended Paragraph 2.11 shall read as under:

2.11 Terms and Conditions of an Authorisation

Every Authorisation shall, inter alia, include **following terms and conditions (as applicable), in addition to such other conditions as may be specified:**

- (a) Description, quantity and value of goods;
- (b) Actual User condition (as defined in Chapter 9);
- (c) Export Obligation;
- (d) Minimum Value addition to be achieved;
- (e) Minimum export/import price;
- (f) Bank guarantee/ Legal undertaking / Bond with Customs Authority / RA (as in para 2. 35 of FTP).
- (g) Validity period of import/export as specified in Handbook of Procedures.

3. **Amendment in Paragraph 2.46 {II (d)}**

Amended Paragraph 2.46 { II (d) } shall read as under:

2.46 Import for export

II. (d) Exports under this dispensation, as at II (a), (b) and (c) above shall not be eligible for any export incentives.

4. **Amendment in Paragraph 3.02**

Amended Paragraph 3.02 shall read as under:

3.02 Nature of Rewards

Duty Credit Scrips shall be granted as rewards under MEIS and SEIS. The Duty Credit Scrips and goods imported/domestically procured against them shall be freely transferable. The Duty Credit Scrips can be used for :

- (i) Payment of Customs Duties for import of inputs or goods, **including capital goods, as per DOR notification**, except items listed in Appendix 3A.

- (ii) Payment of excise duties on domestic procurement of inputs or goods, including capital goods, as per DoR notification.
- (iii) Payment of service tax on procurement of services as per DoR notification.
- (iv) Payment of Customs Duty and fee as per paragraph 3.18 of this Policy.

5. **Amendment in Paragraph 3.06**

Amended Paragraph 3.06 shall read as under:

3.06 Ineligible categories under MEIS

The following exports categories /sectors shall be ineligible for Duty Credit Scrip entitlement under MEIS

- (i) EOUs / EHTPs / BTPs/ STPs who are availing direct tax benefits / exemption.
- (ii) Supplies made from DTA units to SEZ units
- (iii) Export of imported goods covered under paragraph 2.46 of FTP;
- (iv) Exports through trans-shipment, meaning thereby exports that are originating in third country but trans-shipped through India;
- (v) Deemed Exports;
- (vi) SEZ/EOU/EHTP/BPT/FTWZ products exported through DTA units;
- (vii) Items, which are restricted for export under Schedule-2 of Export Policy in ITC (HS), unless specifically notified in Appendix 3B.**
- (viii) Service Export.
- (ix) Red sanders and beach sand.
- (x) Export products which are subject to Minimum export price or export duty.
- (xi) Diamond Gold, Silver, Platinum, other precious metal in any form including plain and studded jewellery and other precious and semi-precious stones.
- (xii) Ores and concentrates of all types and in all formations.
- (xiii) Cereals of all types.
- (xiv) Sugar of all types and all forms, **unless specifically notified in Appendix 3B.**
- (xv) Crude/petroleum oil and crude/primary and base products of all types and all formulations.
- (xvi) Export of milk and milk products, **unless specifically notified in Appendix 3B.**
- (xvii) Export of Meat and Meat Products, **unless specifically notified in Appendix 3B.**
- (xviii) Products wherein precious metal/diamond are used or articles which are studded with precious stones.
- (xix) Exports made by units in FTWZ.
- (xx) Items, which are prohibited for export under Schedule-2 of Export Policy in ITC (HS).**

6. **Amendment in Paragraph 3.09 (2) (e)**

Amended Paragraph 3.09 (2) (e) shall read as under:

3.09 Ineligible categories under SEIS

- (2) (e) Export turnover relating to services of units operating under EOU / EHTP / STPI / BTP Schemes or supplies of services made to such units;**

7. **Amendment in Paragraph 4.22**

Amended Paragraph 4.22 shall read as under:

4.22 Export Obligation

- (i) Period for fulfilment of export obligation under Advance Authorisation shall be 18 months from the date of issue of Authorisation or as notified by DGFT.
- (ii) In cases of supplies to turnkey projects in India under deemed export category or turnkey projects abroad, the Export Obligation period shall be co-terminus with contracted duration of the project execution or 18 months whichever is more.
- (iii) Export Obligation for items falling in categories of defence, military store, aerospace and nuclear energy shall be 24 months from the date of issue of authorization or co-terminus with contracted duration of the export order whichever is more.
- (iv) Export Obligation Period for inputs, as specified in Appendix 4-J, shall be as mentioned in the relevant column of the said Appendix.

8. **Amendment in Paragraph 4.26**

Amended Paragraph 4.26 shall read as under:

4.26 Duties Exempted and Admissibility of Cenvat and Drawback

- (i) Duty Free Import Authorisation shall be exempted only from payment of Basic Customs Duty.
- (ii) Additional customs duty/excise duty, being not exempt, shall be adjusted as CENVAT credit as per DoR rules.
- (iii) Drawback as per rate determined and fixed by Central Excise authority shall be available for duty paid inputs, whether imported or indigenous, used in the export product. However, in case such drawback is claimed for inputs not specified in SION, the applicant should have indicated clearly details of such duty paid inputs also in the application for Duty Free Import Authorization, and as per the details mentioned in the application, the Regional Authority should also have clearly endorsed details of such duty paid inputs in the condition sheet of the Duty Free Import Authorisation.

9. **Amendment in Paragraph 9.51**

Amended Paragraph 9.51 shall read as under:

"Service Provider" means a person providing:

- (i) Supply of a 'service' from India to any other country; (Mode 1- Cross border trade)
- (ii) Supply of a 'service' from India to service consumer(s) of any other country **in India**; (Mode 2 - Consumption abroad).
- (iii) Supply of a 'service' from India through Commercial presence in any other country. (Mode 3 – Commercial Presence.)
- (iv) Supply of a 'service' from India through the presence of natural persons in any other country (Mode 4- Presence of natural persons.)

Effect of this Notification: In the Foreign Trade Policy, 2015-2020 released on 1.4.2015, some amendments have been made. These amendments would be deemed to have come into force with effect from 1st April 2015.

[F. No. 01/94/180/332/AM15/PC 4]

PRAVIR KUMAR, Director General of Foreign Trade